मासिक ई–समाचार पत्रिका
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर, बिहार– 848125

माननीय कुलपति महोदय का सन्देश

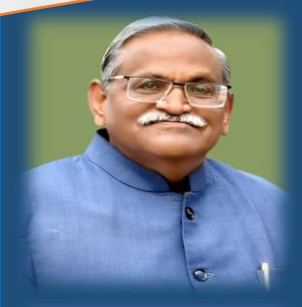

डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(माननीय कुलपति)

आज, जब मै मार्च माह के मासिक समाचार पत्रिका के लिए यह संदेश लिख रहा हूँ, मेरा मन पिछले साल के मार्च महीने के विषय में सोच रहा है जब कोरोना महामारी देश के बहुमूल्य मानव जीवन उनकी आजीविका और अर्थव्यवस्था पर कहर बनकर छाई थी। एक संस्था के रूप में विश्वविद्यालय ने न केवल उन दुःखों और समस्याओं को दूर करने में उल्लेखनीय योगदान दिया बल्कि समृद्ध कार्य और नवोन्मेषी तकनीक एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग से शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस बार फिर से हम कोविड–19 महामारी की दूसरी, तीसरी लहर के कारण लगभग वैसी ही स्थिति मे है, लेकिन मैं आशान्वित हूँ कि हम साथ मिलकर आने वाले समय में समृद्ध अनुभवों के साथ इन परेशानियों से लड़ेंगे और सफलतापूर्वक निजात पायेंगे। मैं छात्रों–से और विश्वविद्यालय के कर्मचारीयों से अपील करता हूँ कि वे कोविड–19 में उपयुक्त व्यवस्था अपनायें, मास्क पहनें व समय समय पर हाथ साफ करें, समाजिक दूरी बनाये रखें और टीकाकरण आदि लें। कैंपस में पाये गये पॉजेटीव मामलों को लेकर घवराने की जरूरत नही है। लेकिन किसी भी तरह की स्वास्थ्य परेशानी में जरूरी है कि चिकित्सा सलाह लें और सेल्फ आईसोलेशन में रहें।

मैं उन छात्रों को बधाई देना चाहूँगा जिन्होंने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाएं उत्तीर्ण की हैं, तथा उन छात्रों को भी जिन्हें पी0 आई0 आई0 इन्फोकाम, लखनउ में कैंपस प्लेसमेंट मिला है। आइये हम इस महामारी में सभी के स्वस्थ्य जीवन की प्रार्थना करें।

माननीय कुलपति महोदय की संलग्नता:

- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान नई दिल्ली एवं डा0 रा0 प्र0 के0 कृ0 वि0 वि0 द्वारा संयुक्त रूप से 01.03. 2021 को आयोजित कृषि में आपदा प्रबंधन विषय पर सेमिनार में भाग लिया।
- कृषि विज्ञान केन्द्र खोदावन्दपुर बेगूसराय में दिनांक 06.03.2021 को आयोजित किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम ''अंगूर बायोटेक किसान हब'' में भाग लिया। कार्यक्रम में श्री गिरिराज सिंह, माननीय मंत्री पशुपालन, मत्स्य पालन और डेयरी, भारत सरकार मुख्य अतिथि थे।

- 07.03.2021 को पटना के मौर्या होटल में जी बिहार झारखंड द्वारा आयोजित आद्य सम्मान में भाग लिया।
- डा0 रा0प्र0के0कृ0वि0 के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा विद्यापति सभागार में आयोजित अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस में भाग लिया। इस अवसर पर भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय की ओर से प्रायोजित ''वुमन लीडरशिप इन एग्रीकल्चर इंटरप्रेन्योरशिप, एण्ड इम्पावरमेंट '' विषय पर विडीयो कॉफ्रेंसिंग में भाग लिया।
- 09.03.2021 को डा0 रा0 प्र0 के0 कृ0 वि0 वि0 पूसा में गेहूँ प्रक्षेत्र दिवस की अध्यक्षता की ।
- 09.03.2021 को डा0 रा0 प्र0 के0 कृ0 वि0 वि0 पूसा के बैरिया ढाव में फील्ड दिवस में भाग लिया।
- 12.03.2021 को अनुसंधान निदेशालय के सम्मेलन कक्ष में साइलेन उत्पादन के लिए एन0 ए0 वी0 गंगा प्राइवेट लिमिटेड के साथ एम ओ यू हस्ताक्षर समारोह में शिरकत की।

- विश्वविद्यालय अस्पताल, पूसा में कोविड–19 टीकाकरण अभियान का उद्घाटन 12.03.2021 को किया।
- आई0सी0ए0आर0 आई0आई0डब्लू0 के साथ किसान के प्रजनन अधिकारों को लेकर हुए समझौता ज्ञापन समारोह में सम्मिलित हुए।
- डा0 रा0 प्र0 के0 कृ0 वि0 वि0 में ''नवीनतम किस्मों और गेहूँ के गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन को बढावा देने पर किसान जागरूकता कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में 12.03.2021 को उद्घाटन किया।
- 15.03.2021 को ई0 गवर्नेस प्रोजेक्ट (विकसित शैक्षणिक प्रबंधन मॉड्यूल का प्रदर्शन) की प्रगति की समीक्षा की।

- 16.03.21 को गन्ना अनुसंधान केन्द्र पूसा में गन्ना संवर्धण के लिये उन्नत प्रौद्योगिकी पर पांच दिनों के किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।
- 17.03.21 को मुजफ्फरपुर में सौर आधारित नाव पर सिंचाई प्रणली के माध्यम से फसल संबर्धन पर क्षेत्र दिवस की अध्यक्षता की।
- 19.03.2021 को उत्तर पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में बदलती जलवायु के तहत '' सतत आजीविका और पोषण सुरक्षा, मुद्दे और चुनौतियाँ'' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार के उदघाटन सभा में भाग लिया।
- 20.03.2021 को के0 वी0 के0 परसौनी पूर्वी चम्पारण में किसान मेले में भाग लिया।
- 21.03.2021 को तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली में मुख्य अतिथि के रूप में प्रौद्योगिकी और प्रदर्शनी मेले का उद्घाटन किया जिसका आयोजन कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय कृषि यंत्रों एवं मशीनरी पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के द्वारा किया गया था।

- 22.03.2021 को भा.कृ.अनु.प. केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर द्वारा आयोजित सेमिनार '' सभी के लिये पानी, ''पर एक अतिथि व्याख्यान दिया।
- 22.03.21 को विश्व जल दिवस पर आयोजित भा0 कृ0 अ0 प0, भा0 कृ0 प्र0 अ0 सं0, मोदीपुर के द्वारा आयोजित ''जैविक खेती के लिये विषेश संदर्भ में जल प्रबंधन'' में नये प्रतिमान पर विशेष व्याख्यान दिया।
- 22.03.21 को भा.कृ.अनु.प. – केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय अनुसंधान स्टेशन लखनउ द्वारा आयोजित ''जल संसाधन के संरक्षण और सदुपयोग'' वेबिनार के समापन में भाग लिया तथा ''प्रकृतिक संसाधन संरक्षण और प्रवंधन पर संगोष्टी में मुख्य संवोधन में भाषण दिया।
- कृषि अभियंत्रिकी महाविद्यालय और आई.एस.ए.ई. (बिहार चैप्टर) पूसा द्वारा 22.03.2021 को संयुक्त रूप से आयोजित विश्व जल दिवस का उद्घाटन किया।

खंड – 2, अंक – 4
अप्रैल, 2021

संरक्षक :–
डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(माननीय कुलपति)

संकलन एवं संपादन:
डॉ. (राकेश मणि शर्मा
रत्नेश. कु. झा
पी. कु. प्रणव
अंकुर जामवाल
आशीष कु. पंडा
गुप्तनाथ त्रिवेदी
कु. राज्यवर्द्धन)

तकनीकी सहयोग :
मनीष कुमार

प्रकाशन प्रभाग,
डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय
कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

संपर्क
www.rpcau.ac.in
publicationdivision@rpcau.ac.in

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2021 के कार्यान्यवन और अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से छात्रों के प्रवेश से संबंधित मुद्दां के बारे में कुलपति सम्मेलन में 24.03.2021 को योगदान दिया।
- 25.03.2021 को पंचतंत्र हाल में विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्र से बागवानी विषयों पर आयोजित ''आन फार्म ट्रायल'' कार्यशाला का उद्घाटन किया।
- 25.03.21 को कल्याणपुर के पास वीरसिंगपुर में स्मार्ट जलवायु कृषि पर फिल्ड दिवस में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
- 30.03.21 को भारतीय कृषि विश्वविद्यालय एसोसीएशन की कार्यकारी समिति की बैठक में भाग लिया।

शिक्षा एवं शैक्षणिक गतिविधियाँ

➢ मशरूम उत्पादन पर ई0 एल0 पी0

मशरूम उत्पादन पर ई0 एल0 पी0 में 20 मार्च 2021 को छात्रों ने ति.कृ.महा.वि. ढोली में प्रौद्योगिकी प्रदर्शन के दौरान मशरूम उत्पादन के लिए ''कम लागत वाली सब स्ट्रेट (भूसा स्टरलाइजर) मशीन का प्रदर्शन किया।

➢ कृ. अभि. महाविद्यालय के अधिष्ठाता के साथ छात्रों की बैठक

अधिष्ठाता, कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय ने प्रथम और तृतीय वर्ष के छात्रों के साथ 24 मार्च 2021 को एक बैठक आयोजित की और प्रत्येक छात्रों के साथ व्यक्तिगत रूप से चर्चा कर पाठ्यक्रमों की प्रगति और मध्यावधि परीक्षा की तैयारीयों पर प्रतिक्रिया मांगी। इस बैठक में संकाय प्रमुख, प्रभारी अकादमिक सेल एवं अन्य संकाय सदस्य भी उपस्थित थे।

➢ कृ. अभि. महाविद्यालय ने फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया

कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय में 2020–21 में नए स्नातक और परास्नातक छात्रों के लिये 2 मार्च 2021 को फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि डा0 एम0 एन0 झा, निदेशक शिक्षा थे। इस कार्यक्रम में डा0 अम्बरीश कुमार अधिष्ठाता, कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, डा0 एस आर0 चौधरी, अधिष्ठाता, आधार विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, वार्डेन, कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय के संकाय प्रमुख एवं अन्य संकाय सदस्यों ने छात्रों को कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय परिवार का हिस्सा बनाने के लिये बधाई दी और अपने को उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिये प्रेरित किया।

➢ कृ.अभि.महाविद्यालय के छात्रों का प्रदर्शन

कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, पूसा के 13 छात्रों ने ग्रेजुएट एप्टीच्युट टेस्ट इन इंजिनियरिंग (गेट) 2021 में सफलता हासिल की। श्री शिवम कुमार बी0 टेक0 एग्रीकल्चर इंजिनियरिंग 2017–18 बैच ने पूरे भारत में 7वां स्थान तथा अन्य 7 छात्रों ने शीर्ष 100 में स्थान प्राप्त किया। श्री सौरभ कुमार पी0 एच0 डी0 शोधार्थी एवं दो अन्य पूर्व छात्रों ने यू0 पी0 पी0 एस0 सी0 में सफलता हासिल की। एक पूर्व छात्र को एफ सी0 आई0 में तथा एक अन्य अंतिम वर्ष के छात्र को आई0 आर0 एम0 ए0 के पी0 जी0 प्रोग्राम में नामांकन की परीक्षा में सफलता हासिल हुई।

अनुसंधान

➢ भा.कृ.अनु.प. भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान करणाल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

माननीय कुलपति डा0 रमेश चंद्र श्रीवास्तव की उपस्थिति में रा.प्रा.के.कृ.वि. और भा.कृ.अनु.प.– भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया जिसका उद्देशय गेहूं और जौ के प्रभेदों को बढावा देना है। 12 मार्च 2021 को हुए इस समझौते में डी0 वी0 डब्लू0 187, डी0 वी0 डब्लू 252, डी0 वी0 डब्लू0 107 और डी0 डब्लू0 आर0 बी0 137 के बीज को बढावा देना सामिल है।

➢ किसान जागरूकता कार्यक्रम और क्षेत्र का दौरा

भा.कृ.अनु.प.– भा0 कृ0 प्र0 अ0 सं0 करनाल के सहयोग से गेहूं में नवीनतम किस्मों और गुणवत्ता वाले बीज उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए एक दिवसीय किसान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय कुलपति द्वारा निदेशक, भा0 कृ0 अ0 प0, भा0 कृ0 प्र0 अ0 सं0 राष्ट्रीय पी. आई. , गेहूं में फसल सुधार और निदेशक बीज और फार्म, रा.प्रा.के.कृ.वि. और अन्य प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया। भा0 कृ0 अ0 प0, भा0 कृ0 प्र0 अ0 सं0 के निदेशक और अन्य प्रतिनिधियों, करनाल ने रा.प्रा.के.कृ.वि., पूसा में गेहूं और जौ पर भा0 कृ0 अ0 प0, भा0 कृ0 प्र0 अ0 सं0 के प्रायोगिक भूखंडों का दौरा किया।

➢ तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली में प्रौद्योगिकी और मशीनरी प्रदर्शन मेला

21.03.2021 को भा.कृ.अनु.प.– अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत फॉर्म इंप्लीमेंट्स एवं मशीनरी, कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय की ओर से ढोली कैम्पस में प्रौद्योगिकी एवं मशीनरी प्रदर्शन मेला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम मे वैशाली, समस्तीपुर तथा मुजफ्फरपुर जिले के 325 किसानों ने भाग लिया। इसमें 27 कृषि मशीनरी तथा उपकरण निर्माताओं ने अपने विभिन्न उपकरणों का प्रदर्शन किया।

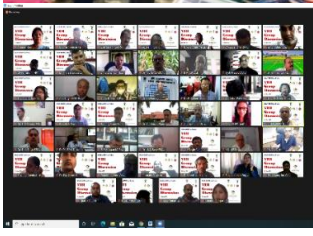

➢ भा.कृ.अनु.प., अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के वार्षिक परिचर्चा में केले और पपीते के लिये नई तकनीक जारी

डा0 रा0 प्र0 के0 कृ0 वि0 वि0 में फलों के भा0 कृ0 अ0 प0 - अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना सामुहिक परिचर्चा का आयोजन 3 से 6 मार्च तक वर्चुअल मोड़ में किया गया। बैठक में बृहत स्तर पर केले के उत्पादन तथा पपीते में कुशल इनपुट उपयोग जैसी दो तकनीकों को बिहार के कृषि जलवायु के लिए भा0 कृ0 अ0 प0 - अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना फल केन्द्र, डा0 रा0 प्र0 के0 कृ0 वि0 वि0 पूसा द्वारा जारी करने की सिफारिश की गई।

➢ बिहार के जोन–1 के लिए जोनल रिसर्च एण्ड एक्सटेंसन एडवाइजरी कमिटि खरीफ (ZREAC- खरीफ) की बैठक

बिहार के जोन–1 के लिए जोनल रिसर्च एण्ड एक्सटेंसन एडवाइजरी कमिटि खरीफ (ZREAC- खरीफ) की बैठक 26 मार्च 2021 को आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन अधिष्ठाता ति.कृ. महाविद्यालय ढोली द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न महत्वपूर्ण एजेंडा पर चर्चा की गई और आगे की कार्यवाई के लिए लक्ष्य निर्धारित किए गये। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ सभी अधिष्ठाता और निदेशक, विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों के एस0 एस0 एस0 तथा सरकार के प्रतिनिधियों एवं प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया।.

➢ भा0 कृ0 अ0 प0 - अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना रेपसीड मस्टर्ड की राष्ट्रीय निगरानी टीम का दौरा

भा0 कृ0 अ0 प0 - अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना रेपसीड मस्टर्ड की राष्ट्रीय निगरानी टीम ने 19 मार्च 2021 को तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली में सरसों की फसलों का परीक्षण किया। टीम का नेतृत्व डा0 एम0 एस0 राठौर प्रधान वैज्ञानिक, एग्रोनॉमी, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली ने किया। उन्होंने ढोली केन्द्र में अनुसंधान में किये जा रहे कार्यों की सराहना की। इस दौरान केन्द्र के सभी वैज्ञानिक उपस्थित थे।

➢ बगवानी फसलों के लिए फील्ड–डे का आयोजन

स्नातकोत्तर महाविद्यालय और उद्यानिकी विभाग द्वारा दो फील्ड–डे आयोजन किया गया। 9 मार्च 2021 को बूढी गंडक नदी के ढाब क्षेत्र में कुकुर विट्स फील्ड डे तथा 18 मार्च 2021 को हाई टेक बागवानी पर फील्ड डे आयोजित किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति डा0 रमेश चंद्र श्रीवास्तव एवं निदेशक अनुसंधान ने उपस्थित होकर कार्यक्रम का गौरव बढाया। उन्होंने संबंधित वैज्ञानिकों और स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा किये जा रहे कार्य की सराहना की। कुकुर विट्स फिल्ड में नदी के किनारों पर सोलर चालित नाव अधारित मोटर पम्प से ड्रिप सिंचाई कर कुकुर विट्स के उत्पादन को दर्शाया गया।

➢ गेहूं क्षेत्र दिवस का आयोजन

भा0 कृ0 अ0 प0 - अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना द्वारा गेहूं और जौ पर 9 मार्च, 2021 को गेहूं के क्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन अन्य विश्वविद्यालय के अधिकारियों की उपस्थिति में माननीय कुलपति द्वारा किया गया। संबंधित वैज्ञानिकों ने परियोजना के तहत चल रही अनुसंधान गतिविधियों का प्रदर्शन किया।

प्रसार गतिविधियाँ

➢ क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

दिनांक 25.03.2021 को समस्तीपुर के बिरसिंहपुर गाँव में ''जीरो टिलेज द्वारा बोया गया गेहूँ'' और ''रेन्ड बेड पर बोया गया मक्का'' पर एक प्रक्षेत्र दिवस बिहार में जलवायु स्मार्ट कृषि के तहत आयोजित किया गया, जिसमें 300 से अधिक किसानों ने भाग लिया । कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति द्वारा की गई जिसमें विश्वविद्यालय के निदेशक अनुसंधान, अधिष्ठाता स्नातकोत्तर महाविद्यालय , अधिष्ठाता, कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय और सह निदेशक अनुसंधान उपस्थित थें। कृषक समुदाय की सुनिश्चित सिंचाई के लिए सामुदायिक सिंचाई प्रणाली का उद्घाटन भी किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, माननीय कुलपति ने कहा कि बिहार की कृषि उत्पादकता को सुनिश्चित सिंचाई और 3–एचपी सिंगल फेज सबमर्सिबल ट्यूबवेल के माध्यम से बढ़ाया जा सकता है।

➢ कस्टम हायरिंग सेंटर :– क्लाईमेंट रेजिलिएंट एग्रीकल्चर प्रोग्राम के तहत एक पहलः–

कृषि कार्यों की निर्भरता जलवायु पर होती है। कृषि उपकरणों की कमी के कारण बुआई और कटाई में देरी होने पर जलवायु के बुरे प्रभावों से काफी नुकसान होता है। छोटी भूमि जोत और आर्थिक परेशानियों के कारण सभी किसान अपने लिये कृषि उपकरण नही खरीद पाते हैं। इसी को लेकर डा0 रा0 प्र0 के0 कृ0 वि0 पूसा द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्रों में कस्टम हायरिंग केन्द्र स्थापित किये गये जहां से किसान अपनी पसंद के अलग अलग कृषि उपकरण रियायती दर पर किराये पर ले सकते हैं। कस्टम हायरिंग केन्द्र की शुरूआत माननीय कुलपति डा0 रमेश चंद्र श्रीवास्तव ने ट्रेक्टर, लेजर लैंड लेवलर, मल्टीक्रॉप प्लांट्र और अन्य कृषि उपकरणों के साथ विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्रों को प्रदान कर की गई।

➢ कृषि विज्ञान केन्द्र भगवानपुर हाट सीवान में किसान गोष्ठी एवं क्षेत्र दिवस कार्यक्रम का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र भगवानपुर हाट सिवान में 28 मार्च 2021 को किसान गोष्टी कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें जीरों टिलेज विधि से हुए चने और सरसों की फसल पर फील्ड का आयोजन किया गया। इसमें 130 से अधिक किसानों एवं महिलाओं ने भाग लिया।

➢ सी.आर.ए.- कार्यक्रम के प्रगतिशील कृषक को जल जीवन हरियाली दिवस पर सम्मानित किया गया

श्री इन्द्रानंद पांडे, कृषि विज्ञान केन्द्र सुखेत, जिला मधुवनी को श्री श्रवण कुमार, कृषि सचिव, बिहार सरकार की उपस्थिति में बामेती, पटना में जलवायु अनुकूल कृषि में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया है। 1 मार्च 2021 को आयोजित इस कार्यक्रम में निदेशक कृषि निदेशक बागवानी एवं बिहार सरकार के प्रधान सचिव, भी उपस्थित थे।

➢ विश्व जल दिवस का आयोजन

डा0 रा0 प्र0 के0 कृ0 वि0 वि0 के कृषि विज्ञान केन्द्र बेगूसराय, सारण, शिवहर, पिपराकोठी सरैया एवं अन्य में एन0 जी0 ओ0 के सहयोग से विश्व जल दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र एवं डा0 रा0 प्र0 के0 कृ0 वि0 वि0 के वैज्ञानिकों ने कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाले।

➢ एम0 आई0 डी0 एम0 एवं सी0 ए0 एस0 सी0 सी0 द्वारा ''कृषि में आपदा प्रबंधन'' पर वेबिनार

कृषि में आपदा प्रबंधन विषय पर संयुक्त रूप से राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान तथा जलवायु परिवर्तन पर सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज, पूसा द्वारा 01.03.2021 को एक वेबिनार का आयोजन किया गया, कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय कुलपति डा0 रमेश चंद्र श्रीवास्तव, मेजर जनरल श्री मनोज कुमार विंदल, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान नई दिल्ली के कार्यकारी निदेशक के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ0 वी0 ए0 प्रकाश, कर्नाटक राज्य आपदा प्रबंधन संस्थान बंगलौर तथा डॉ0 रत्नेश कुमार झा थे। कार्यक्रम के समापन समारोह की अध्यक्षता डॉ0 रा0 प्र0 के0 कृ0 वि0 वि0 के निदेशक अनुसाधान डा0 मिथिलेश कुमार ने की।

➢ मार्च में सी0 आर0 ए0 के तहत 192 ट्रेवेसिंग सेमिनार और एक्सपोजर विजिट का आयोजन

जलवायु परिर्वतन कृषि कार्यक्रम के तहत सी0 आ0 ए0 गाँवों के किसानों के लिए समय समय पर एक्सपोजर विजिट तथा ट्रेवेल सेमिनार का आयोजन किया जाता है ताकि किसानों को सी0 आर0 ए0 कार्यक्रमों के प्रौद्यौगिकियों के बारे में जानने का अवसर मिले। मार्च में 192 एक्सपोजर विजिट/ट्रेवलिंग सेमिनार का आयोजन 14 कृषि विज्ञान केन्द्र के द्वारा किया गया। इससे लगभग 14523 किसान और 2500 कृषक महिलाएँ लाभान्वित हुए।

➢ कृषि विज्ञान केन्द्र सारण में वैज्ञानिक कृषक एवं किसान मेला का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र सारण के वैज्ञानिकों ने 26 एवं 27 मार्च को आत्मा सारण द्वारा आयोजित विभिन्न गांवों में कृषक वैज्ञानिक मिलन में भाग लिया। आत्मा के द्वारा सारण में 19–20 मार्च 2021 को आयोजित किसान मेला में जलवायु अनुकुल कृषि तकनिकों का प्रदर्शन किया।

नीति आयोग के सदस्यों ने सी0 आर0 ए0 कार्यक्रम के बारे में किसानों और वैज्ञानिकों से बातचीत की

नीति आयोग के सदस्यों ने सी0 आर0 ए0 कार्यक्रम के बारे में 10.03.2021 को चयनित प्रौद्योगिकियों को लोकप्रिय बनाने के लिए किसान और वैज्ञानिकों से बातचीत की। जल जीवन हरियाली कार्यक्रम के तहत सी0 आर0 ए0 कार्यक्रम रबी सीजन 2020–21 के लिए के0 वी0 के0 बेगूसराय में 9 तकनीकों के साथ शुरू किया गया है। जिनमें मकई और आलू की अंतवर्ती खेती, मक्के के रेन्ड बेड प्लॉटिंग, गेहूं के जीरो टिलेज रेन्ड बेड प्लॉटिंग (गेहूं) तथा अन्य सामिल हैं। 06.03.2021 को के0 वी0 के0 में एक अन्य किसान चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 400 से अधिक किसानों ने भाग लिया।.

➢ **कृषि विज्ञान केन्द्र** सरैया द्वारा मधुमक्खी पालन और नर्सरी तैयारी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

के0 वी0 के0 सरैया में मधुमक्खी पालन पर 9 से 15 मार्च और 18–24 मार्च को प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें 25 किसानों ने प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड द्वारा प्रायोजित किया गया था। 26–28 मार्च को बागवानी, लघु नर्सरी उत्पादन पर एस0 सी0 एस0 पी0 के तहत तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। एक अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम 15 से 17 मार्च को किया गया जिसमें 20 ग्रामीण युवाओं ने भाग लिया।

➢ तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली में मक्का और मशालों के उत्पादन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की ओर से तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली में '' मक्का उत्पादन के वैज्ञानिक तरीके'' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुजफ्फरपुर जिले के 50 किसानों ने भाग लिया। मसाला उत्पादन तकनीक पर एक कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम 22–25 मार्च, 2021 को किया गया जिसमें पचास किसानों ने भाग लिया। यह आयोजन केंद्र प्रायोजित योजना सुपारी और मसाला विकास निदेशालय, कालीकट, केरल (भारत सरकार) द्वारा आयोजित किया गया था।

सम्मान, खेलकूद एवं महत्वपूर्ण तिथियाँ इत्यादि

➢ 4–6 मार्च 2021 को स्पोर्टस कम्पलेक्स रा0प्र0के0कृ0वि0 पूसा में विश्वविद्यालय वार्षिक ''इंटर कॉलेज एथीलीट्स एवं स्पोर्टस मीट 2021'' का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया और विभिन्न पुरस्कार जीते। तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली के छात्रों ने बैटमिंटन और टेबल टेनिस (महिला) में 07 स्वर्ण, 09 रजत और 03 कांस्य पदक हासिल किये।.

➢ डा0 नीरज कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, कीट विज्ञान विभाग, तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली ने 23–24 मार्च 2021 को बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बांदा में मधुमक्खी पालन पर राष्ट्रीय संगोष्टी में भाग लिया और तकनीकी सत्र 4 की अध्यक्षता की। उन्होंने राष्ट्रीय संगोष्टी में कई प्रमुख व्याख्यान दिये।

➢ डा0 रत्नेश कुमार झा, परियोजना निदेशक, सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज ऑन क्लाइमेंट चेंज, डा0 रा0 प्र0 के0 कृ0 वि0 वि0 पूसा को दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में अनुसंधान प्रसार क्षेत्र में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए ''सांइटिस्ट ऑफ दी इयर अवार्ड से सम्मानित किया गया। सेमिनार का आयोजन धनबाद झारखंड में 13–14 मार्च को ''डबलिंग फार्मस इनकम फॉर सस्टेनेबल एण्ड हार्मोनल एग्रीकल्चर (दिशा- 2021) विषय पर आयोजित किया गया था।

तकनीकी हिंदी अनुवाद– डॉ. राकेश मणि शर्मा एवं गुप्तनाथ त्रिवेदी